



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उग्र-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 812]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 15, 2000/अग्रहायण 24, 1922

No. 812]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 15, 2000/AGRAHAYANA 24, 1922

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी बाजार अनुभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 2000

का.आ. 1124(आ).—भारतीय च्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रतिभूति के रूप में आई.सी.आई.सी.आई. लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले ऋणपत्रों की प्रकृति के कुल 500 करोड़ रुपए मात्र से अनधिक मूल्य के निम्न अप्रतिभूत सोचनीय बांडों (आई.सी.आई.सी.आई. सेफ्टी बांड—दिसम्बर, 2000) प्राधिकृत करती है :—

1. टैक्स सेविंग बांड ;
2. रेगुलर इन्कम बांड ;
3. मनी मल्टीप्लायर बांड ;
4. पेंशन बांड ।

[फा. सं. 6/20/सी.एम./2000]

डॉ. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Capital Market Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th December, 2000

S.O. 1124(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of Section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the unsecured Redeemable Bonds (ICICI Safety Bonds—December, 2000) in the nature of debentures as—

1. Tax Saving Bond;
2. Regular Income Bond;
3. Money Multiplier Bond;
4. Pension Bond;

of the total aggregate value not exceeding rupees five hundred crores only to be issued by the ICICI Ltd., Mumbai, as a security for the purpose of the said section.

[F. No 6/20/CM/2000]

Dr. J. BHAGWATI, Jt. Secy.

